भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

अमर उजाला

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 26.06.2019

आईआईटी बीएचयू में शोध और अनुसंधान को बढ़ावा

नए सत्र से बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर की होगी पढ़ाई, चार नए केंद्र भी खुलेंगे

अमर उजाला ब्यूरो

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू में नए सत्र में शोध और अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके लिए संस्थान में पिछले छह महीने में 30 से अधिक नई परियोजनाओं को स्वीकृति मिली है। इसके अलावा आर्किटेक्चर विभाग भी खुल रहा है, जिसके तहत बैचलर और मास्टर कोर्स चलाए जाएंगे। आईआईटी के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि आर्किटेक्चर विभाग में पहले बैचलर कोर्स में 20 सीट पर दाखिला होगा, जो आगे चलकर 100 सीट हो जाएगा। इसके अलावा चार नए केंद्र भी खुलेंगे।

बताया कि आर्किटेक्चर विभाग के तहत मास्टर इन टाउन प्लानिंग, मास्टर इन आर्किटेक्चर और बैचलर ऑफ डिजाइन, मास्टर ऑफ डिजाइन की पढ़ाई शुरू होगी। बनारस की सांस्कृतिक धरोहर को ध्यान में रखते हुए इस कोर्स का संस्थान में चलना महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

आईआईटी रुड़की के साथ इस पर समझौता हो चुका है। बताया कि पिछले छह महीने में संस्थान में 30 से अधिक अनुसंधान की परियोजनाएं भी स्वीकृत हुई हैं, जिसमें यूपीडा, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृत रक्षा अनुसंधान कॉरिडोर परियोजना, आर-एबीआई की रफ्तार योजना, स्टील ऑथारिटी ऑफ इंडिया प्रमुख है। इसके अलावा तीन स्पार्क परियोजनाएं भी स्वीकृत हुई हैं। इसके तहत एक संस्थान के छात्र दूसरे संस्थानों में जाकर वहां शोध, अनुसंधान कर सकेंगे। निदेशक ने कहा कि आईआईटी को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए 13 राष्ट्रीय और पांच अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ एमओयू हो चुका है।

आईआईटी के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन।

ये केंद्र खुलेंगे

- सेंटेनरी इनोवेशन एंड रिसर्च पार्क
- सेंटेनरी डिफेंस एंड प्रिसिजन इंजीनियरिंग हब
- ग्लोबल आउटरीच एंड इंगेजमेंट
- मालवीय स्टूडेंट एक्टिविटी एंड कंप्यूटिंग सेंटर

बातचीत चल रही

अगले पांच साल में आईआईटी में चार नए सेंटर भी खुलेंगे। 230 करोड़ की लागत से बनने वाले इन केंद्रों के लिए संबंधित मंत्रालय से बातचीत चल रही है। इसके बाद शोध, अनुसंधान के साथ ही कंप्यूटिंग के क्षेत्र में छात्रों को अवसर मिलेगा। साथ ही यहां अलग-अलग कंपनियों के केंद्र भी खुलेंगे।